ISSN: 2393-8048
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =8.152, July-December 2025, Submitted in October 2025

चुने हुए मनोसामाजिक चर के संबंध में उच्च माध्यमिक छात्रा छात्राओं की अध्ययन की आदतें और शैक्षणिक उपलब्धि

सबिता तेवतिया, एम.एड.विद्यार्थी (शिक्षा विभाग) आर.एस.डी अकादमी फेज 2nd मुरादाबाद– 244001 इंडिय, संबद्ध (महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली) उत्तर प्रदेश

सार

यह अध्ययन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच अध्ययन की आदतों, चयनित मनोसामाजिक चरों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की जाँच करता है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि सीखने के व्यवहार और मनोसामाजिक कारक जैसे प्रेरणा, आत्म–अवधारणा, साथियों का प्रभाव और माता–पिता का समर्थन छात्रों के शैक्षणिक परिणामों को किस प्रकार आकार देते हैं। किसी भी चर को प्रभावित किए बिना स्वाभाविक रूप से होने वाले पैटर्न की जांच करने के लिए एक वर्णनात्मक शोध डिजाइन का उपयोग किया गया। नमूने में 110 छात्र शामिल थे, और डेटा का विश्लेषण आवृत्ति और प्रतिशत वितरण का उपयोग करके किया गया था। परिणाम दर्शाते हैं कि अधिकांश छात्र मध्यम अध्ययन आदतें और औसत स्तर की शैक्षणिक उपलब्धि प्रदर्शित करते हैं। मनोसामाजिक चर भी मुख्य रूप से मध्यम श्रेणी में आते हैं, जो सामान्यतः संतुलित लेकिन सुधार योग्य व्यवहारिक और भावनात्मक प्रोफाइल का संकेत देते हैं। जिन विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें मजबूत होती हैं तथा मनोसामाजिक विशेषताएं अधिक अनुकूल होती हैं, वे अकादमिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। निष्कर्ष स्कूल के वातावरण में प्रभावी अध्ययन प्रथाओं को बढ़ावा देने और मनोसामाजिक सहायता प्रणालियों को मजबूत करने के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। अध्ययन का निष्कर्ष है कि वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षार्थियों के बीच शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए अध्ययन की आदतों और मनोसामाजिक कल्याण दोनों में सुधार आवश्यक है।

कीवर्ड : अध्ययन की आदतें, शैक्षणिक उपलब्धि, मनोसामाजिक चर, प्रेरणा, आत्म–अवधारणा।

1. परिचय

अध्ययन की आदतें वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के सबसे महत्वपूर्ण निर्धारकों में से एक हैं, जहाँ शैक्षणिक दबाव बढ़ जाता है और सीखना अधिक स्व–निर्देशित हो जाता है। प्रभावी अध्ययन आदतें – जैसे समय प्रबंधन, नोट लेने का कौशल, एकाग्रता और नियमित पुनरावृत्ति – एक व्यवस्थित ढांचा प्रदान करती हैं जो छात्रों को जानकारी को कुशलतापूर्वक संसाधित करने और अकादमिक रूप से अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम बनाती हैं। अध्ययन की आदतों के साथ–साथ, प्रेरणा, आत्म–अवधारणा, साथियों का प्रभाव, माता–पिता का समर्थन और भावनात्मक स्थिरता जैसे मनोसामाजिक कारक सीखने के व्यवहार को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये मनोसामाजिक कारक अक्सर छात्रों के प्रयास, आत्मविश्वास और दृढ़ता को प्रभावित करते हैं, जिससे यह प्रभावित होता है कि वे कैसे अध्ययन करते हैं और परीक्षाओं में उनका प्रदर्शन कैसा होता है।

अध्ययन की आदतों, शैक्षणिक उपलब्धि और मनोसामाजिक चरों के बीच संबंध को समझना शिक्षकों, परामर्शदाताओं और नीति निर्माताओं के लिए आवश्यक है। वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा में, जहां प्रतियोगी परीक्षाएं और कैरियर संबंधी निर्णय एक साथ आते हैं, छात्रों को सहायक शिक्षण वातावरण से लाभ मिलता है जो स्वस्थ अध्ययन प्रथाओं और मनोवैज्ञानिक कल्याण को बढ़ावा देता है। यह अध्ययन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की अध्ययन आदतों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की जांच करता है, साथ ही शैक्षणिक परिणामों में सुधार के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करने हेतु चयनित मनोसामाजिक चरों पर विचार करता है।

2. साहित्य की समीक्षा

आबिद एट अल. (2023) ने माध्यमिक स्तर पर छात्रों की पढ़ने की आदतों, अध्ययन कौशल और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की जांच की। उनके निष्कर्षों से पता चला कि अच्छी तरह से विकसित पठन अभ्यास और प्रभावी अध्ययन कौशल अंग्रेजी में बेहतर प्रदर्शन से दृढ़तापूर्वक जुड़े हुए हैं। अध्ययन में इस बात पर जोर दिया गया कि जो छात्र नियमित रूप से पढ़ाई करते हैं और संरचित शिक्षण रणनीतियों को अपनाते हैं, उनकी शैक्षणिक उपलब्धि का स्तर कमजोर अध्ययन आदतों वाले छात्रों की तुलना में अधिक होता है। इस शोध में समग्र शैक्षणिक परिणामों को मजबूत करने के लिए पठन दक्षता और अध्ययन अनुशासन दोनों को एकीकृत करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

अदजेई (2022) ने एकुम्फी जिले में वरिष्ठ हाई स्कूल के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर अध्ययन की

आदतों और परीक्षा की चिंता के संयुक्त प्रभाव की जांच की। अध्ययन से पता चला कि प्रभावी अध्ययन आदतें बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ सकारात्मक रूप से जुड़ी हुई थीं, जबकि परीक्षा की चिंता का उच्च स्तर हानिकारक प्रभाव डालता था। निष्कर्षों से पता चला कि जिन छात्रों ने नियमित अध्ययन दिनचर्या बनाए रखी, उनका प्रदर्शन बेहतर रहा, जबकि जो छात्र उच्च चिंता का अनुभव कर रहे थे, उनके अंक कम रहे। अदजेई के कार्य ने स्कूलों में मजबूत अध्ययन प्रथाओं को बढ़ावा देने के साथ–साथ भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

बेहारू (2018) ने विभिन्न मनोवैज्ञानिक कारकों का पता लगाया, जो डिरे डावा विश्वविद्यालय में नए मनोविज्ञान के छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करते थे। अध्ययन में आत्म–प्रभावकारिता, प्रेरणा और भावनात्मक स्थिरता को शैक्षणिक सफलता के महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता के रूप में पहचाना गया। जिन छात्रों में आत्मविश्वास, आंतरिक प्रेरणा और भावनात्मक विनियमन का स्तर अधिक था, वे शैक्षणिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते पाए गए। शोध से पता चला कि मनोवैज्ञानिक कल्याण छात्रों के सीखने के व्यवहार और शैक्षणिक परिणामों को आकार देने में एक आवश्यक भूमिका निभाता है, जो शैक्षिक उपलब्धि में मनोसामाजिक चर की प्रासंगिकता को मजबूत करता है।

कास्त्रो (2024) ने पुलोट एनएचएस में वरिष्ठ हाई स्कूल के छात्रों के बीच शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में मनोसामाजिक क्षमता और पढ़ने की प्रोफाइल का आकलन करने के लिए एक बहु–चर विश्लेषण किया। परिणामों से पता चला कि मनोसामाजिक दक्षताएं – जैसे पारस्परिक कौशल, भावनात्मक परिपक्वता और सामाजिक अनुकूलनस्थिरता – बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन से निकटता से जुड़ी हुई थी। इसके अतिरिक्त, जिन छात्रों की पढ़ने की क्षमता अधिक थी, वे उच्च ग्रेड प्राप्त करने में सफल रहे। अध्ययन में इस बात पर जोर दिया गया कि मनोसामाजिक ताकत और शैक्षणिक–संबंधी कौशल दोनों ने संयुक्त रूप से छात्रों की शैक्षणिक सफलता में योगदान दिया।

3. शोध पद्धति

यह शोध पद्धति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच अध्ययन की आदतों, चयनित मनोसामाजिक चरों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की जाँच के लिए अपनाई गई व्यवस्थित प्रक्रियाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। यह खंड अध्ययन को वस्तुनिष्ठ और प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए डिजाइन, नमूना आकार और विश्लेषणात्मक तकनीकों का वर्णन करता है। पद्धतिगत ढांचे को किसी भी स्थिति में छेड़छाड़ किए बिना मौजूदा शैक्षणिक और मनोसामाजिक पैटर्न की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए संरचित किया गया था, जिससे शैक्षिक वातावरण की प्राकृतिक विशेषताओं को बनाए रखा जा सके। कार्यप्रणाली का प्रत्येक घटक निष्कर्षों की विश्वसनीयता, स्पष्टता और सार्थक व्याख्या सुनिश्चित करने में योगदान देता है।

3.1 शोध डिजाइन

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में अध्ययन की आदतों, चयनित मनोसामाजिक चरों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की व्यवस्थित जाँच के लिए एक वर्णनात्मक शोध डिजाइन अपनाया गया था। इस डिजाइन को इसलिए चुना गया क्योंकि यह किसी भी चर में हेरफेर किए बिना मौजूदा परिस्थितियों का सटीक और वस्तुनिष्ठ वर्णन करने की अनुमति देता है। यह वास्तविक शैक्षिक परिस्थितियों में घटित होने वाले प्राकृतिक शिक्षण व्यवहारों, शैक्षणिक पैटर्न और मनोसामाजिक विशेषताओं को समझने में मदद करता है।

वर्णनात्मक दृष्टिकोण शोधकर्ता को अध्ययन की आदतों में प्रचलित प्रवृत्तियों की पहचान करने, प्रेरणा, आत्म–अवधारणा, माता–पिता के समर्थन और साथियों के प्रभाव जैसे मनोसामाजिक कारकों में भिन्नता का आकलन करने और यह समझने में सक्षम बनाता है कि ये सामूहिक रूप से छात्रों के शैक्षणिक परिणामों से कैसे संबंधित हैं। यह डिजाइन शैक्षिक अनुसंधान के लिए उपयुक्त है, जहां लक्ष्य कारण–और–प्रभाव संबंध स्थापित करने के बजाय डेटा का अवलोकन, वर्गीकरण और व्याख्या करना है। इस डिजाइन का उपयोग करके, अध्ययन छात्रों की शैक्षणिक और मनोसामाजिक प्रोफाइल की एक स्पष्ट, तथ्यात्मक तस्वीर प्रस्तुत करने में सक्षम था, जिससे लक्षित जनसंख्या के भीतर सार्थक तुलना और व्याख्या करने में सुविधा हुई।

3.2 नमूना आकार

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच अध्ययन की आदतों, चयनित मनोसामाजिक चरों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की व्यवस्थित जांच के लिए एक वर्णनात्मक शोध डिजाइन अपनाया गया। इस

डिजाइन को इसलिए चुना गया क्योंकि यह किसी भी चर को प्रभावित किए बिना मौजूदा स्थितियों का सटीक और वस्तुनिष्ठ वर्णन करने की अनुमति देता है। यह वास्तविक शैक्षिक परिस्थितियों में घटित होने वाले प्राकृतिक शिक्षण व्यवहारों, शैक्षणिक पैटर्न और मनोसामाजिक विशेषताओं को समझने में मदद करता है।

वर्णनात्मक दृष्टिकोण शोधकर्ता को अध्ययन की आदतों में प्रचलित प्रवृत्तियों की पहचान करने, प्रेरणा, आत्म–अवधारणा, माता–पिता के समर्थन और साथियों के प्रभाव जैसे मनोसामाजिक कारकों में भिन्नता का आकलन करने और यह समझने में सक्षम बनाता है कि ये सामूहिक रूप से छात्रों के शैक्षणिक परिणामों से कैसे संबंधित हैं। यह डिजाइन शैक्षिक अनुसंधान के लिए उपयुक्त है जहाँ लक्ष्य कारण–और–प्रभाव संबंध स्थापित करने के बजाय आँकड़ों का अवलोकन, वर्गीकरण और व्याख्या करना है। इस डिजाइन का उपयोग करके, अध्ययन छात्रों की शैक्षणिक और मनोसामाजिक प्रोफाइल की एक स्पष्ट, तथ्यात्मक तस्वीर प्रस्तुत करने में सक्षम था, जिससे लक्षित जनसंख्या के भीतर सार्थक तुलना और व्याख्या करने में सुविधा हुई।

3.3 डेटा विश्लेषण

छात्रों की प्रमुख विशेषताओं और प्रमुख चरों को संक्षेप में प्रस्तुत करने के लिए आवृत्ति और प्रतिशत वितरण का उपयोग किया गया। इस पद्धति का चयन इसलिए किया गया क्योंकि यह श्रेणीबद्ध डेटा का स्पष्ट और संक्षिप्त प्रतिनिधित्व प्रदान करती है, जिससे 110 छात्रों के नमूने में पैटर्न और प्रवृत्तियों को आसानी से पहचाना जा सकता है। आवृत्ति गणना यह निर्धारित करने में सहायता करती है कि कितने छात्र विशिष्ट श्रेणियों में आते हैं, जैसे अध्ययन की आदतें, प्रेरणा, आत्म–अवधारणा, माता–पिता का समर्थन, साथियों का प्रभाव और शैक्षणिक उपलब्धि का स्तर। प्रतिशतता आनुपातिक वितरण को दर्शाकर इन गणनाओं को पूरक बनाती है, जिससे समूहों के बीच तुलना अधिक सार्थक हो जाती है।

आवृत्ति और प्रतिशत विश्लेषण का उपयोग वर्णनात्मक अध्ययनों के लिए उपयुक्त है, जहां उद्देश्य सांख्यिकीय परिकल्पनाओं का परीक्षण करने के बजाय मौजूदा स्थितियों का अवलोकन प्रस्तुत करना है। यह सुनिश्चित करता है कि डेटा को सरल और व्याख्या योग्य रूप में व्यवस्थित किया जाए, जिससे शोधकर्ता को प्रमुख श्रेणियों को उजागर करने, छात्र समूहों के बीच भिन्नताओं का निरीक्षण करने और प्रतिभागियों के समग्र शैक्षणिक और मनोसामाजिक प्रोफाइल में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिले। यह दृष्टिकोण अध्ययन के दायरे के अनुसार, सर्वेक्षण–आधारित सांख्यिकीय उपकरणों या अनुमानात्मक विश्लेषण पर निर्भर हुए बिना परिणामों में पैटर्न पर चर्चा करने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

4. परिणाम और चर्चा

यह खंड प्रमुख चरोंरू अध्ययन की आदतें, शैक्षणिक उपलब्धि, प्रेरणा और आत्म–अवधारणा के आधार पर वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के वितरण का विश्लेषण करके अध्ययन के परिणाम प्रस्तुत करता है। निष्कर्ष आवृत्ति और प्रतिशत पर आधारित हैंकुल 110 छात्रों के नमूने से प्राप्त टैग वितरण। परिणाम छात्रों के व्यवहारिक और मनोसामाजिक विशेषताओं में पैटर्न को उजागर करते हैं और यह समझने में मदद करते हैं कि ये कारक उनके शैक्षणिक प्रदर्शन से किस प्रकार संबंधित हैं। प्रत्येक तालिका के बाद विस्तृत चर्चा और व्याख्या की गई है, जिससे आंकड़ों में देखे गए रुझानों की व्यापक समझ प्राप्त होती है।

4.1 अध्ययन आदत स्तर

तालिका 1 वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों का उनके समग्र अध्ययन आदत स्तर के आधार पर वर्गीकरण प्रस्तुत करती है। छात्रों को तीन श्रेणियों में बांटा गया हैः उच्च, मध्यम और निम्न। तालिका में प्रत्येक श्रेणी में छात्रों की आवृत्ति तथा उनके संगत प्रतिशत की जानकारी दी गई है।

तालिका 1: अध्ययन आदत स्तर के अनुसार छात्रों का वितरण (N = 110)

अध्ययन की आदत का स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत
उच्च	32	29.1
मध्यम	58	52.7
निम्न	20	18.2

तालिका से पता चलता है कि 52.7% छात्र मध्यम अध्ययन की आदत प्रदर्शित करते हैं, जो इसे सबसे सामान्य श्रेणी बनाती है। लगभग 29.1% लोग उच्च अध्ययन आदत प्रदर्शित करते हैं, जबकि 18.2% लोग निम्न अध्ययन आदत वाले समूह में आते हैं। इससे पता चलता है कि यद्यपि छात्रों का एक उचित

हिस्सा प्रभावी अध्ययन आदतों का अभ्यास करता है, लेकिन अधिकांश छात्र मध्यम स्तर पर अध्ययन करते हैं, जो मजबूत अध्ययन दिनचर्या विकसित करने में सुधार की संभावित गुंजाइश को उजागर करता है।

चित्र 1: अध्ययन आदत स्तर के अनुसार छात्रों का वितरण

दृश्य प्रस्तुति में स्पष्ट रूप से मध्यम श्रेणी का प्रभुत्व दिखाई देगा, उसके बाद उच्च और फिर निम्न अध्ययन आदतें होंगी। यह आंकड़ा छात्रों के बीच अध्ययन की आदतों के असमान वितरण को दर्शाने में मदद करेगा तथा इस बात पर जोर देगा कि अधिकांश छात्र चरम सीमा के बजाय मध्य श्रेणी में आते हैं।

4.2 शैक्षणिक उपलब्धि स्तर

तालिका 2 छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के स्तर को उच्च (≥75%), औसत (50दृ74%), और निम्न (ढ50%) में वर्गीकृत करती है। प्रत्येक शैक्षणिक समूह में छात्रों की आवृत्ति और प्रतिशत प्रदान किया गया है।

तालिका 2: शैक्षणिक उपलब्धि स्तर के अनुसार छात्रों का वितरण (N = 110)

उपलब्धि स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत
उच्च (≥ 75 प्रतिशत)	28	25.5
औसत (50–74 प्रतिशत)	64	58.2
निम्न 50 प्रतिशत से कम	18	16.3

अधिकांश छात्र, 58.2%, औसत शैक्षणिक उपलब्धि श्रेणी में आते हैं। केवल 25.5% उच्च उपलब्धि वाले समूह में हैं, जबकि 16.3% कम शैक्षणिक उपलब्धि दर्शाते हैं। यह वितरण बताता है कि शैक्षणिक प्रदर्शन औसत श्रेणी में केंद्रित है, तथा उच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या कम है। कम उपलब्धि प्राप्त करने वालों का अनुपात, यद्यपि छोटा है, इस उपसमूह के लिए शैक्षणिक सहायता की आवश्यकता को इंगित करता है।

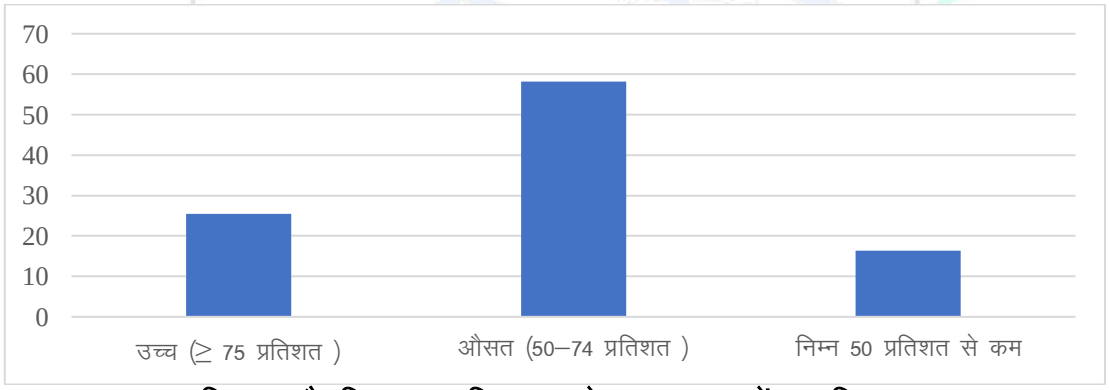

चित्र 2: शैक्षणिक उपलब्धि स्तर के अनुसार छात्रों का वितरण

चार्ट में औसत उपलब्धि प्राप्त करने वालों के लिए एक ऊंचा बार दिखाया जाएगा, जो बहुसंख्यक समूह को दर्शाता है, जबकि उच्च और निम्न श्रेणियां काफी छोटी दिखाई देंगी। यह दृश्य पैटर्न इस बात को पुष्ट करता है कि शैक्षणिक उपलब्धि मध्यम रूप से वितरित है, तथा इसमें चरम सीमाएं भी सीमित हैं।

4.3 प्रेरणा स्तर

तालिका 3 छात्रों के प्रेरणा स्तर के अनुसार उनके वितरण को दर्शाती है – उच्च, मध्यम और निम्न। तालिका प्रत्येक स्तर के लिए आवृत्ति गणना और प्रतिशत प्रदान करती है।

तालिका 3: प्रेरणा स्तर (मनोसामाजिक चर) के अनुसार छात्रों का वितरण (N = 110)

प्रेरणा स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत
उच्च	40	36.4
मध्यम	50	45.5
निम्न	20	18.2

आंकड़ों से पता चलता है कि 45.5% छात्रों में मध्यम प्रेरणा है, जबकि 36.4% में उच्च प्रेरणा है। केवल 18.2% लोग कम प्रेरणा वाली श्रेणी में आते हैं। इन निष्कर्षों से पता चलता है कि छात्रों का प्रेरणा स्तर आम तौर पर अनुकूल है, जिनमें से अधिकांश मध्यम से उच्च प्रेरणात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित करते हैं, जो उनकी अध्ययन आदतों और शैक्षणिक परिणामों पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

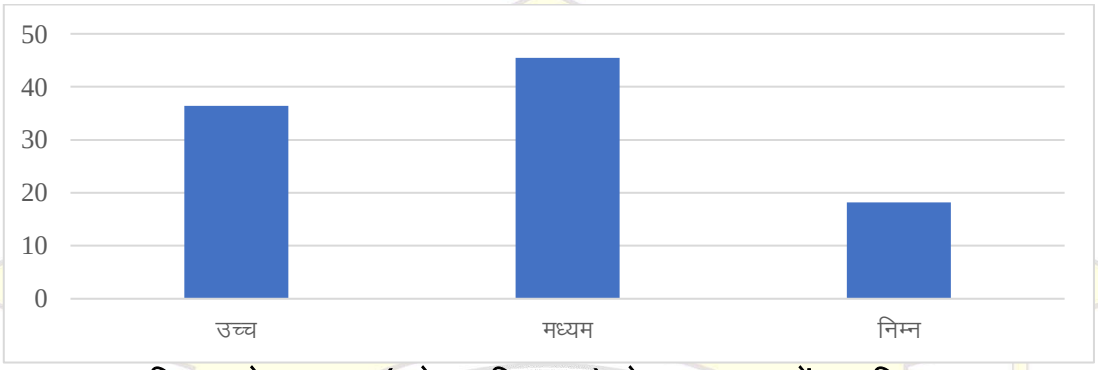

चित्र 3: प्रेरणा स्तर (मनोसामाजिक चर) के अनुसार छात्रों का वितरण

यह आंकड़ा मध्यम प्रेरणा को सबसे अधिक जनसंख्या वाली श्रेणी के रूप में दर्शाएगा, जिसके बाद उच्च प्रेरणा होगी। निम्न प्रेरणा पट्टी की अपेक्षाकृत छोटी ऊंचाई स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि केवल सीमित संख्या में छात्रों में प्रेरणा की कमी है, जो सामान्यतः सकारात्मक मनोसामाजिक प्रोफाइल का समर्थन करती है।

4.4 आत्म–अवधारणा स्तर

तालिका 4 छात्रों की आत्म–अवधारणा के स्तरों को दर्शाती है, जिन्हें सकारात्मक, तटस्थ और नकारात्मक में वर्गीकृत किया गया है। तालिका में प्रत्येक समूह में छात्रों की संख्या और उनका प्रतिशत हिस्सा शामिल है।

तालिका 4: आत्म–अवधारणा स्तर के अनुसार छात्रों का वितरण

आत्म–अवधारणा स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत
सकारात्मक	46	41.8
तटस्थ	44	40.0
नकारात्मक	20	18.2

कुल 41.8% छात्र सकारात्मक आत्म–अवधारणा प्रदर्शित करते हैं, जबकि 40.0% छात्र स्वयं के बारे में तटस्थ दृष्टिकोण रखते हैं। केवल 18.2% लोग नकारात्मक आत्म–अवधारणा प्रदर्शित करते हैं। इससे पता चलता है कि अधिकांश छात्रों की अपनी क्षमताओं के बारे में सकारात्मक या तटस्थ धारणा होती है, जो आत्मविश्वास, प्रेरणा और शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती है। नकारात्मक आत्म–अवधारणा वाले अपेक्षाकृत छोटे समूह को मनोवैज्ञानिक या शैक्षणिक परामर्श की आवश्यकता हो सकती है।

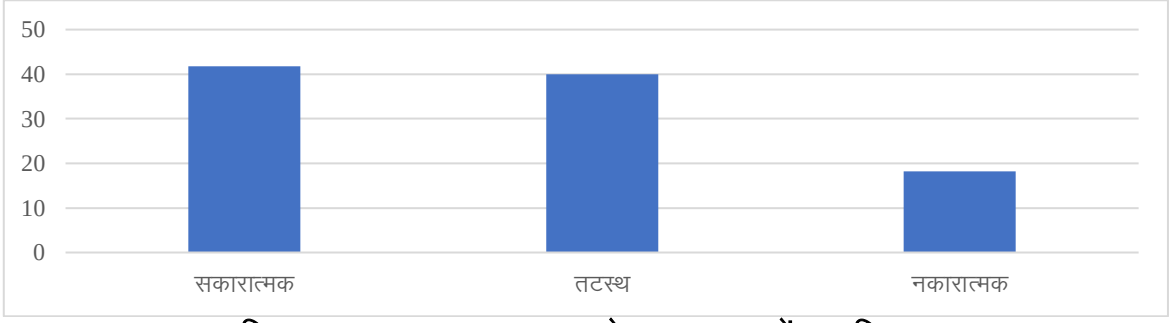

चित्र 4: आत्म–अवधारणा स्तर के अनुसार छात्रों का वितरण

चार्ट में सकारात्मक और तटस्थ श्रेणियों के लिए लगभग समान ऊंचाइयां स्पष्ट रूप से दिखाई देंगी, जो संतुलित वितरण को दर्शाता है, जबकि नकारात्मक श्रेणी का वितरण स्पष्ट रूप से कम होगा। यह दृश्य अंतराल इस बात पर प्रकाश डालता है कि नकारात्मक आत्म–अवधारणा छात्रों में व्यापक नहीं है।

5. निष्कर्ष

अध्ययन से पता चलता है कि वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के छात्र आम तौर पर मध्यम अध्ययन आदतें, औसत शैक्षणिक उपलब्धि, और प्रेरणा, आत्म–अवधारणा, माता–पिता का समर्थन और साथियों के प्रभाव जैसे प्रमुख मनोसामाजिक चरों का मध्यम स्तर प्रदर्शित करते हैं। मजबूत अध्ययन आदतों और अधिक अनुकूल मनोसामाजिक विशेषताओं वाले छात्र अकादमिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, जो दर्शाता है कि शैक्षणिक सफलता व्यवहारिक और मनोसामाजिक दोनों कारकों द्वारा आकार लेती है। निष्कर्ष लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं जो अध्ययन दिनचर्या को मजबूत करते हैं और संरचित शैक्षणिक मार्गदर्शन, परामर्श सहायता, सकारात्मक सहकर्मी बातचीत और सक्रिय अभिभावकीय भागीदारी के माध्यम से मनोसामाजिक कल्याण को बढ़ाते हैं। कुल मिलाकर, अध्ययन का निष्कर्ष है कि सहायक मनोसामाजिक वातावरण के साथ–साथ प्रभावी अध्ययन व्यवहार को बढ़ावा देना वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर शैक्षणिक उपलब्धि में सुधार लाने और उसे बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

संदर्भ

1. *आबिद, एन., असलम, एस., अलगामदी, ए. ए., और कुमार, टी. (2023)। माध्यमिक स्तर पर छात्रों की पढ़ने की आदतों, अध्ययन कौशल और अंग्रेजी में शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध। फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी, 14, 1020269।*
2. *एडजेई, ई. (2022)। एकुमफी जिले में सीनियर हाई स्कूल के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के सहसंबंध के रूप में अध्ययन की आदतें और परीक्षा चिंता (डॉक्टोरल शोध प्रबंध, केप कोस्ट विश्वविद्यालय)।*
3. *बेहारू, डब्ल्यू. टी. (2018)। डायर डावा विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष के मनोविज्ञान के छात्रों के बीच छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले मनोवैज्ञानिक कारक। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड प्रैक्टिस, 9(4), 59–65।*
4. *कास्त्रो, क्यू. ए. एस. (2024)। पुलॉट एनएचएस में एसएचएस शैक्षणिक उपलब्धि पर साइकोसोशल क्षमता और पठन प्रोफाइल का एक बहु–चर विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन इन सोशल साइंस, 8(12), 2823–2846।*
5. *डेब, एस., स्ट्रोडल, ई., और सन, एच. (2015). भारतीय हाई स्कूल के छात्रों में एकेडमिक स्ट्रेस, माता–पिता का दबाव, चिंता और मानसिक स्वास्थ्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एंड बिहेवियरल साइंस, 5(1), 26–34।*
6. *फोंग, सी. जे., डेविस, सी. डब्ल्यू., किम, वाई., किम, वाई. डब्ल्यू., मैरियट, एल., और किम, एस. (2017). साइकोसोशल कारक और कम्युनिटी कॉलेज के छात्रों की सफलतारू एक मेटा–एनालिटिक जांच। रिव्यू ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 87(2), 388–424।*
7. *हाइसेनी दुराकु, जेड., और होक्सा, एल. (2018). आत्म–सम्मान, अध्ययन कौशल, आत्म–अवधारणा, सामाजिक समर्थन, मनोवैज्ञानिक संकट, और मुकाबला तंत्र का परीक्षण चिंता और शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव। हेल्थ साइकोलॉजी ओपन, 5(2), 2055102918799963।*
8. *कासिम, ए. ओ. (2016). ओगुन राज्य में सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में अर्थशास्त्र में छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के निर्धारक के रूप में अध्ययन की आदतें और छात्रों का दृष्टिकोण। अनुसंधान और विकास कार्यालय, एकिटी स्टेट यूनिवर्सिटी, एडो–एकिटी, एकिटी राज्य, नाइजीरिया।, 35।*
9. *क्वाकये, जे. ए. (2020). अकुआपम घाना में जूनियर हाई स्कूल के छात्रों के बीच अध्ययन की आदतों और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंधरू परामर्श के लिए निहितार्थ (डॉक्टरेट थीसिस, यूनिवर्सिटी ऑफ केप कोस्ट)।*
10. *मिरांडा, ए. टी. (2018). छात्रों की संज्ञानात्मक क्षमता, मनो–सामाजिक विशेषताएं और अध्ययन की आदतेंरू गणित प्रदर्शन पर एक संरचनात्मक मॉडल। एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज, 1(3), 51–57।*
11. *पोपा–वेलेया, ओ., पिरवन, आई., और डियाकोनेस्कु, एल. वी. (2021). एकेडमिक परफॉर्मेंस और उसके सब्जेक्टिव इवैल्यूएशन पर सेल्फ–एफिकेसी, आशावाद, लचीलेपन और महसूस किए गए तनाव का*

प्रभावरू एक क्रॉस–सेक्शनल स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(17), 8911।

12. *सिंह, एच. के. (2022). स्टडी हैबिट्सरू सोशियो–साइकोलॉजिकल रिसर्च। केके पब्लिकेशंस।*
13. *टस, जे., लुबो, आर., रेयो, एफ., और क्रूज, एम. ए. (2020). लर्नर्स की स्टडी हैबिट्स और उनका एकेडमिक परफॉर्मेंस से संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च राइटिंग्स, 2(6), 1–19।*
14. *वैन रूइज, ई. सी., जानसेन, ई. पी., और वैन डे ग्रिफ्ट, डब्ल्यू. जे. (2018). पहले साल के यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स की एकेडमिक सफलतारू एकेडमिक एडजस्टमेंट का महत्व। यूरोपियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी ऑफ एजुकेशन, 33(4), 749–767।*
15. *यूसुफ, एम., और खुर्शीद, के. (2020). पाकिस्तान में सेकेंडरी लेवल पर स्टूडेंट्स की एकेडमिक अचीवमेंट पर साइको–सोशल एलिमेंट्स के प्रभावों का एक अध्ययन। जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च (1027–9776), 23(2)।*